मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 12 जनवरी 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	13/01/18	14/01/18	15/01/18	16/01/18	17/01/18
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	28	28	28
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	11	12	12	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	86	85	84	83	82
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	12	13	14	11	10
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	2	2	4	3
हवा की दिशा	पश्चिम	दक्षिण	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों	फली निर्माण	शुष्क मौसम को देखते हुए सरसों की फसल में फली बनते समय 70–80 दिन की फसल पर सिंचाई अवश्य करें।
चना		चना की फसल को फली छेदक कीट के प्रकोप से बचाने के लिए 1 लीटर क्यूनालफॉस 25 ई.सी. का प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
ईसबगोल	बालियां	ईसबगोल की फसल में बालियां निकलने की अवस्था पर बुवाई के 65 दिन बाद सिंचाई करें।
मैथी	पुष्प	मैथी में छाछया रोग के नियंत्रण हेतु केराथेन 500 मिली. लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
रिजका		रिजका की फसल में कटाई के बाद 15 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
पशु		पशुओं को अफारे से बचाने के लिए हरे चारे को अधिक मात्रा में न खिलाएं। हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकर खिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)